प्रश्न-हाल के वर्षों में पारिवारिक विघटन में वृद्धि हुई है। इसके लिए उत्तरदायी कारकों की चर्चा कीजिए।

(250 शब्द)

In recent years, family disintegration has increased. Discuss the factors responsible for it.

(250 Words)

मॉडल उत्तर

भूमिका:- भारत एक बहुलक समाज है जहाँ कई धर्म, जनजाति, जाति एवं सांस्कृतिक समूह साथ-साथ रहते हैं और इन सभी समूहों में परिवार की प्रकृति एवं स्वरूप में कुछ न कुछ भिन्नताएं पायी जाती हैं। संयुक्त परिवार व्यक्तियों का एक ऐसा समूह है, जो वैवाहिक, रक्त एवं गोद लिए गए संबंधों से जुड़ा हुआ होता है।

विषय-वस्तु

संयुक्त परिवार में विघटन के प्रमुख कारक:-

आज विघटित परिवारों की संख्या बढ़ी है अर्थात् पुत्र अपने माता-पिता से अलग रहना पसंद करते हैं। यद्यपि वे उनके प्रति परम्परागत दायित्वों का निर्वाह करते रहते हैं। आज शहरों में जहाँ पति-पत्नी दोनों कमाने वाले हैं तो वे बच्चों के पालन-पोषण आदि आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु निकट सम्बन्धियों को साथ रखते हैं। वहीं कुछ दम्पति ऐसे भी हैं जो निकट संबंधियों के स्थान पर नौकरानी या आया से अपने बच्चों का पालन-पोषण करवाना पसंद करते हैं।

- परम्परागत कृषक संयुक्त परिवार उत्पादन और उपभोग की इकाई था। ग्रामीण व्यक्ति शहरों में प्रवासित हुए और परम्परागत व्यवसाय छोड़कर कल-कारखानों में काम करने लगे। इससे संयुक्त परिवार की सामान्य संपत्ति की विशेषता टूट गई।
- स्त्रियाँ काम करने लगीं और संयुक्त क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, यातायात के साधन, उपभोग की वस्तुओं आदि सुविधाओं की उपलब्धता के कारण शहरों की ओर प्रवसन बढ़ने लगा।
- ब्रिटिश शासन के समय भारतीय पाश्चात्य-शिक्षा और संस्कृति के संपर्क में आए। इससे भारतीयों के सामाजिक मूल्य दर्शन और जीवन का तरीका पाश्चात्यीकृत होने लगा, जो नाभिक परिवार को प्रोत्साहन देता है।
- यातायात के साधनों के विकास ने व्यक्ति का एक स्थान से दूसरे-स्थान पर आना-जाना सुगम कर दिया है। पहले व्यक्ति जीवन पर्यन्त संयुक्त परिवार एवं जन्म-स्थान में रहता था, लेकिन अब वह संयुक्त परिवार को छोड़कर दूर स्थानों पर नौकरी, व्यवसाय, शिक्षा आदि के लिए चला जाता है।
- पारम्परिक रूप से सामाजिक-सुरक्षा का कार्य संयुक्त परिवार का ही था। आज सरकार की अनेक योजनाओं द्वारा व्यक्ति को सामाजिक सुरक्षा प्रदान की जाती है। जैसे-बीमा योजना।

- संयुक्त परिवार पहले अनेक परम्परागत कार्य करते थे, जैसे-शिक्षा, मनोरंजन, कपड़ा, भोजन तथा व्यवसाय आदि। लेकिन अब यह अन्य समितियों को हस्तांतरित हो गए हैं। आज व्यक्ति संयुक्त परिवार पर निर्भर नहीं रहा है।
- संयुक्त परिवार में अनेक सदस्य एक साथ रहते हैं लेकिन कभी-कभी उनके मध्य छोटे-छोटे झगड़ों तथा मनमुटाव के कारण वे अलग-अलग घर बनाकर रहना पसंद करते हैं।
- महिला आन्दोलन ने स्त्रियों में जागृति पैदा की, जिससे वह स्वयं के अस्तित्व को समझने लगी हैं। वे शिक्षा ग्रहण करने लगी हैं, व्यवसायों में आने लगी हैं, स्वयं के शोषण के प्रति जागरूक हुई हैं, जैसे-प्रेम-विवाह करने लगी हैं।

स्पष्टत: इस तथ्य से इन्कार नहीं किया जा सकता है कि भारत में आधुनिकता की प्रकृति ने भारतीय संयुक्त परिवार में व्यापक परिवर्तन को संभव बनाया है।

अंत में संक्षिप्त निष्कर्ष दें।